सल्तनतकालीन साहित्य

- 35th lecture by

Mamta Rani
History depart.
SNSRKS COLLEE.
SAHARSA

19-05-2020.

Scanned with CamScanner

सल्तनतकालीन साहित्य

- 35th lecture

सल्तनतकालीन फारसी साहित्य और भारतीय संस्कृत साहित्य के परस्पर सम्मिलित का काल है। इस काल में रची हुई रचनाओं ने अपनी दीर्घकालिक प्रासंगिकता को साबित किया है। इस काल की कुछ प्रमुख रचनाएँ -

चचनामा - अली अहमद द्वारा रचित इस ग्रंथ से अरबों के सिंध आक्रमण का पता चलता है।

किताबुल यामिनी → ~~किताबुलहिन्द~~ → उतबी द्वारा रचित इस पुस्तक में सुबुक्तगीन और महमूद गजनवी के शासनकाल का वर्णन है।

किताबुलहिन्द → अलबरुनी द्वारा मूलतः अरबी भाषा में रचित 11वीं शताब्दी के भारत की राजनैतिक और सामाजिक दशा का वर्णन मिलता है।

ताजुलमासिर → हसन निजामी द्वारा रचित इस पुस्तक से गोरी के आक्रमण काल का वर्णन मिलता है।

तबकात-ए-नासिरी → मिनहाजुद्दीन सिराज द्वारा रचित इस पुस्तक से मुहम्मद गोरी की भारत विजय और तुर्कियों के शासन की 1260 ई० तक की प्रमुख घटनाओं का पता चलता है। मिनहाज ने अपनी पुस्तक नासिरुद्दीन महमूद को समर्पित की थी।

तारीख-ए-फिरोजशाही → जियाउद्दीन बरनी के द्वारा रचित इस ग्रंथ से बलबन से लेकर फिरोजशाह तुगलक के काल की जानकारी मिलती है। यहाँ उल्लेखनीय है कि शम्स-ए-सिराज अफीफ ने भी इसी नाम से पुस्तक लिखी है जो समकालीन समकालीन इतिहास का एक सरकारी संकलन है।

Scanned with CamScanner

फ़ज़ा-ए-जहांदारी → जियाउद्दीन बर्नी के द्वारा रचित इस पुस्तक में राजनैतिक विचारधारा की तस्वीर प्रस्तुत की गई है।

खज़ाइन-उल-फुतूह → अमीर खुसरो ने इस पुस्तक मे अलाउद्दीन के काल की राजनैतिक अभियानों की चर्चा किये हैं।

किरान उस-सादैन → इसयह रचना बलवन के पुत्र बुगरा खाँ और उसके पुत्र कैकुबाद के मिलन का वर्णन करती है। इस पुस्तक में मंगोल आक्रमण की चर्चा है।

मिफताउल-फुतूह → यह पुस्तक जलालुद्दीन के काल की घटनाओं की चर्चा करती है।

नूह-सिपेहर → यह रचना मुबारकशाह खिलजी के काल से संबंधित है जिसमें भारत की प्रशंसा मिलती है।

तुगलक नामा → अमीर खुसरो की यह कृति गयासुद्दीन तुगलक के राज्यारोहण से संबंधित है। यह अंतिम कृति थी अमीर खुसरो की।

फितूह उस सलातीन → ख्वाजा अबूबक्र इसामी द्वारा रचित इस पुस्तक में मुहम्मद-बिन-तुगलक के काल तक के इतिहास की जानकारी मिलती। ~~इस जानकारी~~ यह पुस्तक अलाउद्दीन बहमन शाह को समर्पित है।

किताबुल रहेला → यह पुस्तक मुहम्मद-बिन-तुगलक के काल की राजनैतिक और सामाजिक जीवन का विवरण प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक के रचयिता इब्नबतूता था जो मुहम्मद-बिन-तुगलक के काल में भारत यात्रा पर आया था।

Scanned with CamScanner

फतुहात - ए - फिरोजशाही → यह पुस्तक फिरोजशाह तुगलक के अध्यादेशों का संकलन है।

दलायते फिरोजशाही → एजुद्दीन खालिद किरमानी द्वारा रचित यह पुस्तक ज्वालामुखी मंदिर से प्राप्त नक्षत्रशास्त्र की पुस्तकों का फारसी अनुवाद है।

लहजत - ए - सिकन्दरी → संगीत शास्त्र पर लिखी गई यह पुस्तक सिकन्दर लोदी द्वारा रचित है। ध्यातव्य है कि सिकन्दर लोदी गुलरुखी के नाम से रचनाएं करता था।

फरहंगे सिकन्दरी → यह पुस्तक चिकित्साशास्त्र से संबंधित है। इस पुस्तक के लेखक सिकन्दर लोदी थे।

तिब्बे - सिकन्दरी → इस पुस्तक के रचयिता सिकन्दर लोदी के वजीर मियां भुआ था।

Scanned with CamScanner